



भारत का गज़त The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—बाँड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 292]

No. 292]

मई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 15, 1978/ज्येष्ठ 25, 1900

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 15, 1978/JYAISTHA 25, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

प्रादेश

मई दिल्ली, 15 जून, 1978

का० आ० 383(अ) —अत डालमियानगर स्थित मैमसं अणोका भासेट लिमिटेड नामक औद्योगिक उपक्रम का सीमेट एकक जिसे लाइसेंस प्रदान 12/31/आई०-००(2)/५५ दिनांक 10-12-1954 द्वारा थथा मणाधिन लाइसेंस संख्या एन०/१२/१६/५५ दिनांक 1-७-1954 प्राप्त है और जिस अवधि मैमसं राहतास इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के साथ सर्वीसिं बनाया गया है, अनुसूचित उद्योग प्रथात् सीमेट में लगा हुआ है।

अब यह केन्द्रीय मरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनियित बम्बुओं के उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त कमी होने की सम्भावना है जो विद्यमान अर्थात् वशाओं को ध्यान में रखते हुए न्यायोचित नहीं है। और केन्द्रीय मरकार की यह राय है कि उक्त उद्योग उपक्रम का प्रबन्ध ऐसी रीति में किया जा रहा है जो अनुसूचित उद्योग तथा सोक हित में अत्यन्त अप्रयोकर है;

अत अब केन्द्रीय मरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का ६६) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भासेट की परिस्थितियों का पूरा-पूरा और संपूर्ण अन्वेषण करने के प्रयोगन के लिए शक्तियों के एक निकाय की नियन्त्रित करनी है, जिसमें निम्नलिखित अवक्षित होंगे—

श्री एम० आर० खन्ना,

विकास प्रधिकारी,

नक्सीकी विकास का महानिवेशालय,

मई दिल्ली।

—प्रध्यक्ष

4. श्री आर० रामानुजमं,
प्रधर मंत्रिव,
उद्योग मंत्रालय,
मई दिल्ली।

—मध्यम

उक्त निकाय अपनी ग्रिपार्ट दस ग्राम्पान के प्रकाशन की नियम से २५मात्राह के अन्वर देगा।

[सं० 15/प्राई० च०० प्रार० ए०/७८]

MINISTRY OF INDUSTRY

ORDER

New Delhi, the 15th June, 1978

S.O. 383 (E).—Whereas the cement unit of the industrial undertaking known as Messrs Ashoka Cement Limited, Dalmianagar Bihar, covered by Licence No. L/12/16/54 dated 1-7-1954 as amended by letter No. 12/31/IA(2)/54 dated 10-12-1954 and since stated to have been merged with Messrs. Rohtas Industries Limited, is engaged in a scheduled industry, namely, cement ;

And whereas the Central Government is of the opinion that there is likely to be a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification,

And whereas the Central Government is of the opinion that the said industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of :

1. Shri S.R. Khanna, Development Officer
Directorate General of Technical Development, New Delhi. —Chairman
2. Shri R. Ramanujam, Under Secretary
Ministry of Industry, New Delhi. —Member

The above body shall submit its report within a period of two weeks from the date of issue of this order in the Official Gazette.

[No. 15/IDRA/78]

प्रादेश

नई दिल्ली, 15 जून, 1978

का० आ० 384(भ).— यस डालमियानगर बिहार स्थित “मैसर्स रोहताग इंडस्ट्रीज लिमिटेड”, जिसे पंजीयन प्रमाण पत्र सं. आ०-१२/६-आ०/३५(१)६ दिनांक, 17-७-१९५२ प्राप्त है, अनुसूचित उद्योग अधिकृत मीमेंट में लगा हुआ है।

और यह: केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपकरण में विनामित वस्तुओं के उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त कमी होने की सम्भावना है जो विद्यमान आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखते हुए स्थायोन्नित नहीं है। और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त उद्योग उपकरण का प्रबन्ध ऐसी गति से किया जा रहा है जो अनुसूचित उद्योग तथा सोक्रिति में अस्तित्व अपायकर है;

प्रत: प्रब्लेम केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिकारी, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त अन्वेषणों का प्रयोग करते हुए, मामले की परिस्थितियों का पूरा-पूरा और संपूर्ण अन्वेषण करने के प्रयोगन के लिये व्यक्तियों के एक निकाय की नियुक्ति करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे:—

1. श्री एम० आ० खन्ना,
विकास अधिकारी,
तकनीकी विकास का भारतीय विद्यालय,
नई दिल्ली। —प्रध्यक्ष

2. श्री आ० रामानुजम,
प्रब्रह्म सचिव,
उद्योग सत्रालय,
नई दिल्ली।

—सदस्य

उक्त निकाय अपनी रिपोर्ट इस आदेश के प्रकाशन की तिथि से 2 गप्ताह के अन्दर देगा।

[सं० १५/प्राइ० ज० आ० ७०/७८]

पी० सी० नायक, संयुक्त सचिव।

ORDER

New Delhi, 15th June, 1978

S.O. 384(E).—Whereas the industrial undertaking known as Messrs. Rohtas Industries Limited, Dalmiana gar, Bihar, covered by Registration No. R-12/6 R/35(1)/6 dated 17-9-1952 is engaged in a scheduled industry, namely, cement;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that there is likely to be a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that the said industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of :—

1. Shri S.R. Khanna, Development Officer,
Directorate General of Technical Development, New Delhi. —Chairman
2. Shri R. Ramanujam Under, Secretary,
Ministry of Industry, New Delhi. —Member
3. The above body shall submit its report within a period of two weeks from the date of issue of this order in the Official Gazette.

[No. 15/IDRA/78]

P.C. NAYAK,
Jt. Secy.